साल 2011 की शुरूआत में आईपीओ लाने की तैयारी में कंपनी

भीलवाड़ा एनर्जी जुटाएगी 2,000 करोड़

करार

कंपनी ने 230 करोड़ जुटाने के लिए अपने 10.8 फीसदी इक्विटी शेयर दो विदेशी निवशकों को बेची। आईएफसी व इंडियन एनर्जी फंड के साथ समझौता भी कर लिया है। मनाली में 192 मेगावाट परियोजना से उत्पादन भी शुरू हो जाएगा।

राजीव कुमार • नई दिल्ली

भीलवाड़ा एनर्जी लिमिटेड (बीईएल) ने अपनी 1100 मेगावाट जल विद्युत परियोजना के लिए 2,000 करोड़ रुपये शेयर के जरिए जुटाने का फैसला किया है। वर्ष 2011 के आरंभ में कंपनी अपना आईपीओ भी लाएगी। फिलहाल कंपनी ने 230 करोड़ रुपये जुटाने के लिए अपने 10.8 फीसदी शेयर दो विदेशी निवशकों के हवाले कर दिया है। आईएफसी व इंडियन एनर्जी फंड के साथ बीईएल ने इस वास्ते समझौता भी कर लिया है। कंपनी के मुताबिक अगले सप्ताह तक बीईएल की मनाली स्थित 192 मेगावाट विद्युत परियोजना से उत्पादन शुरू हो जाएगा। इस परियोजना पर वर्ष 2005 में काम शुरू हुआ था। बीईएल ने राजस्थान में 50 मेगावाट सौर ऊर्जा प्लांट लगाने के लिए भी राजस्थान सरकार के साथ समझौता किया है।

बीईएल के निदेशक (वित्त) ओम प्रकाश अजमेरा ने बताया कि कंपनी ने वर्ष 2017 तक 2200 मेगावाट जल विद्युत परियोजना स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। पहले चरण में 1100 मेगावाट की स्थापना की जाएगी। इसके लिए वर्ष 2014-15 का समय तय किया गया है। इस परियोजना पर 7,500 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है। इसके लिए 2,000 करोड़ रुपये शेयर के जरिए जुटाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पहले चरण के तहत नेपाल में 170 मेगावाट, पंजाब के पठानकोट में 85 मेगावाट व अरुणाचल प्रदेश में 900 मेगावाट जल विद्युत परियोजना की स्थापना की जाएगी। नेपाल में काम शुरू हो गया है और पठानकोट में जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी है। अरुणाचल प्रदेश की परियोजना के लिए डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार हो चुकी है।

अजमेरा ने बताया कि मनाली स्थित बीईएल की 192 मेगावाट की जल विद्युत परियोजना का काम पूरा हो चुका है और अगले सप्ताह तक यहां उत्पादन शुरू हो जाएगा। बीईएल पहले से मलाना में 85 मेगावाट जल विद्युत उत्पादन कर रही है। उन्होंने बताया कि कंपनी थर्मल आधारित बिजली उत्पादन में रुचि ले रही है, और इस दिशा में भी संभावना तलाशी जा रही है। सौर ऊर्जा प्लांट की स्थापना के लिए बीईएल ने राजस्थान सरकार के साथ समझौता कर लिया है।